HINDUSTAN PAGE 06

एलयू से महिला अध्ययन में अब कर सकेंगे पीएचडी

अवसर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से अब दोबारा महिला अध्ययन में पीएचडी कर सकेंगे। इसी सत्र से इसे पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में शामिल किया गया है।

एलयू में स्थापित महिला अध्ययन संस्थान में पुरानी रंगत वापस लौट आई है। इस सत्र से सात वर्षों बाद महिला अध्ययन में परास्नातक पाठ्यक्रम शुरू हुआ। पीजी डिप्लोमा इन गर्भ संस्कार की पढ़ाई भी आरंभ हुई। वहीं अब महिला अध्ययन संस्थान की समन्वयक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने पीएचडी प्रोग्राम भी दोबारा शुरू करने की तैयारी कर ली है। डॉ. मानिनी का कहना है कि डीआरसी में देरी की वजह से सत्र 2023-24 के लिए जारी हुई नोटिस में विषय का नाम नहीं शामिल हो सका था। हालांकि अब प्रवेश प्रकोष्ठ को पत्र भेज दिया गया है। जल्द ही वेबसाइट पर अपडेट हो जाएगा। डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने बताया कि इस सत्र में तीन सीटों पर एडमिशन लिए जाएंगे।

सात वर्षों बाद लौटी पुरानी रंगत

छात्रों की रुचि कम होने के कारण महिला अध्ययन में कई कोर्स बंद कर दिए गए थे। बीते सात वर्षों से महिला अध्ययन में एमए पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं लिए गए थे। इसी तरह वर्ष 2020

■ 1997 में स्थापित महिला अध्ययन संस्थान में लौटी रंगत

गर्भ संस्कार में अवसर बताए विद्यार्थियों को

वर्षों से बंद पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए महिला अध्ययन संस्थान की ओर से कई तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें कॉलेजों और सोशल मीडिया का भी सहारा लिया गया। इनके माध्यम से जागरूकता फैलाने में सहायता मिली। लोगों को गर्भ संस्कार और महिला अध्ययन में बेहतर करियर और इससे होने वाले फायदों के बारे में बताया गया। ताकि विद्यार्थियों की रुचि इन कोर्स में दोबारा पैदा हो वो इनमें दाखिला लें।

से पीजी डिप्लोमा इन गर्भ संस्कार में दाखिले नहीं हुए। पर, इस सत्र से यह पाठ्यक्रम दोबारा शुरू हो सके।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में अंतर्राष्ट्रीय शक्तियों की भूमिका पर दिया व्याख्यान

जोखिमों में निर्णय लेने को लेकर कार्यशाला आयोजित

लविवि में आयोजित सेमिनार के दौरान मंचासीन अतिथिगण। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ,

अमृत विचार : उप्र बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग ने, हस्ताक्षरित एमओयू के अनुसार अशोक विश्वविद्यालय के सहयोग से, जोखिम भरी स्थितियों में निर्णय लेने की प्रक्रिया और विहित पूर्वाग्रहों की जटिलताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

● लखनऊ विश्वविद्यालय में हुआ कार्यक्रम, दिये सुझाव

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. नर्गेस हाजीमोलादारिश ने निर्णय लेने की प्रक्रियाओं, वास्तविक जीवन के परिदृश्यों से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और जोखिम भरी स्थितियों में प्रचलित विहित पूर्वाग्रहों को संबोधित करने के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. प्रिया और सुष्मिता मिश्रा ने विभाग प्रमुख प्रो. संगीता साहू की देखरेख में कार्यशाला का निर्बाध निष्पादन सुनिश्चित किया, जिससे सत्र के उद्देश्यों को पूरा किया गया।

इस दौरान 60 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति के साथ मजबूत चर्चा और विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ,

अमृत विचार : जम्मू कश्मीर और लद्दाख की समझ रुझान और प्रवृत्तियां विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की डॉ. प्रीति शर्मा द्वारा भू-राजनीतिक महत्व एवं जम्मू कश्मीर में अन्तर्राष्ट्रीय शक्तियों की भूमिका विषय पर अपना व्याख्यान दिया गया। हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. अजय कुमार ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख में हो रहे परिवर्तनों और शान्ति स्थापित करने को लेकर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इस दौरान विभाग के समस्त शिक्षक प्रो. कमल कुमार, प्रो. संजय गुप्ता, प्रो. कविराज, प्रो. अमित कुशवाहा, डॉ. अनामिका, डॉ. जितेन्द्र कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. तुंगनाथ मुआर व अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

TOI PAGE 4

In a first, LU to offer one-yr PG under NEP

Only Those With 4-Yr UG Degree Eligible

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: In a first, Lucknow University will offer a one-year postgraduate (PG) programme under the National Education Policy (NEP) from the academic session 2024-25.

The existing two-year postgraduation option will also be on offer to students who have done a three-year graduation.

The university is in the last stages of finalising its one-year PG programme ordinance. Only students who

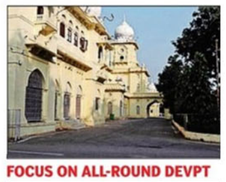

FOCUS ON ALL-ROUND DEVPT

have pursued four years of UG courses will be eligible for this programme.

"LU was the first university in the country to adopt NEP in its UG and PG courses. After NEP adoption in 2021-22, UG students were given the flexibility of multiple entry and exit during the four-year course. On leaving a course in the first year, a student is awarded a certificate, in the second year an advanced diploma, in the third year

FOCUS ON RESEARCH

- **One-year PG course** of **20** credits from academic session **2024-25**
- Will focus on all-round development of students, with emphasis on research
- Only those students with **four-year UG degree** with research can pursue this course

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

जम्मू कश्मीर में अन्तर्राष्ट्रीय शक्तियों की भूमिका पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजनीतिशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में जम्मू कश्मीर और लद्दाख की समझः रुझान और प्रवृत्तियां विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में डॉ. प्रीति शर्मा, स्कूल

लविवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा भू-राजनीतिक महत्व एवं जम्मू कश्मीर में अन्तर्राष्ट्रीय शक्तियों की भूमिका विषय पर अपना व्याख्यान दिया गया। तत्पश्चात इसी सत्र में डा.अजय कुमार, कश्मीर अध्ययन केन्द्र, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख में हो रहे परिवर्तनों द्वारा कैसे लोगों को लाभ मिल रहा है और शान्ति स्थापित हो रही है, इस पर अपना व्याख्यान दिया।

कार्यशाला के इसी सत्र में डा.शिखा चौहान, राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख पर शोध कैसे किया जाये इसको ध्यान में रखते हुए शोध पद्धति पर अपना व्याख्यान दिया गया। कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रो.संजय गुप्ता द्वारा किया गया। इस सत्र में शोधार्थियों से जम्मू कश्मीर और लद्दाख विषय पर शोध से सम्बन्धित विभिन्न विषयों को लेकर प्रश्नोत्तरी की गयी साथ ही शोध से सम्बन्धित प्रश्नों पर विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यशाला के समापन उद्बोधन में आशुतोष भटनागर ने कहा कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख में बड़ा परिवर्तन आया है, लेकिन अभी भी यह संक्रमण के दौर से गुजर रहा है।